Status of implementation of recommendations contained in the Forty-fifth Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Agriculture

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI E. AHAMMED): Sir, on behalf of SHRI SUBODH KANT SAHAY, I make a statement regarding status of implementation of recommendations contained in the Forty-fifth Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Agriculture.

Status of implementation of recommendations contained in the Fortieth and Forty-first Reports of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Railways

SHRI E. AHAMMED: Sir, I beg to make a statement regarding status of implementation of recommendations contained in the Fortieth and Forty-first Reports of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Railways.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Failure of check the spread of swine flu in the country and death of a young girl due to swine flu in Pune

श्री प्रकाश जावडेकर (महाराष्ट्र): उपसभापति महोदय, स्वास्थ्य मंत्री यहां मौजूद हैं। चूंकि मैं पुणे से आता हूँ, इसलिए मैं यह कहना चाहता हूँ कि स्वाइन फ्लू की जो चर्चा हुई है, उसमें वास्तविकता अलग है। पुणे में जो रीडा शेख की मृत्यु हुई है, उसमें माननीय मंत्री जी ने यह कहा है कि गलती दोनों तरफ से हुई है, लेकिन वास्तविकता यह नहीं है। वास्तविकता यह है कि पहले वह जहांगीर हॉस्पीटल में गई, वहां से उसके स्वैब टेस्ट के लिए रुबी हॉस्पीटल में भेजा गया। उनके द्वारा नेगेटिव रिपोर्ट देने के बाद इसको discharge किया गया और discharge होने के बाद जब फिर तकलीफ बढ़ी, चूंकि वह टेस्ट सही नहीं हुआ था, इसलिए वह फिर अस्पताल में आई। उसके बाद National Institute of Virology में टेस्ट हुआ, तो वहां positive निकला, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और बेचारी लड़की मर गई। उनके parent ने FIR दर्ज किया है। इसलिए मंत्री जी द्वारा यह कहना कि गलती दोनों तरफ से हुई है, यह सही नहीं है। यह जख्म पर नमक छिड़कने जैसा है। शायद मंत्री जी अपने बयान से गलती करने वाले हॉस्पीटल को बचाना चाहेंगे। मेरा मुद्दा यह है कि आज पुणे में स्थिति क्या है? एक शहर में यानी पुणे में 114 cases positive हैं और पूरे देश भर में 540 cases हैं। पुणे में 114 cases positive हैं, जिनमें सौ से ज्यादा स्कूल चिल्ड्रेन हैं। चौदह स्कूल बंद हैं और टेस्टिंग के लिए कतारें लगी हुई है। शहर में घबराहट इस कदर है कि एक लाख लोग मास्क पहन कर जा रहे हैं और एक दूसरा आदमी जिसको आज ससुन अस्पताल में वेंटीलेटर पर रखा गया है, क्योंकि वह भी positive साबित हुआ है। अगर स्थिति यहां तक है, तो इसके कारण क्या हैं?

सर, आपको ताज्जूब होगा कि रीडा शेख की मृत्यु होने तक राज्य सरकार की तरफ से एक भी काम नहीं हुआ था। राज्य सरकार पूरी तरह से लापरवाह थी और तब तक केन्द्र सरकार को उसमें आने की जरूरत भी नहीं थी, लेकिन राज्य सरकार ने कुछ नहीं किया। लोकल प्रशासन कुछ करता रहा। आज मुख्य चीज यह है कि अगर एक ही शहर में इतना इन्फेक्शन हो रहा है, तो यह ट्रेल क्यों नहीं हो रहा है कि यह इन्फेक्शन कहां

से आया है? एक-एक मरीज का जो ट्रेल होना चाहिए, वह नहीं हुआ है। मेरी सरकार से विशेष रूप से दो मांगे हैं। एक, पुणे शहर में यह जो epidemic जैसी बात हुई है, केन्द्र को उसकी जांच करने के लिए विशेषज्ञों का एक दल भेजना चाहिए। दूसरा, ट्रेल करने का जो काम आज तक नहीं हुआ है, उसके लिए राज्य सरकार को उचित निर्देश देना चाहिए। साथ ही मंत्री जी को अपना यह बयान, कि गलती दोनों तरफ से हुई है, वापस लेना चाहिए। धन्यवाद।

श्री अवतार सिंह करीमपुरी (उत्तर प्रदेश) : सर, यह जो स्वाइन फ्लू का विषय है, यह देश के लिए बहुत ही चिंता का विषय है। देश में यह इन्फेक्शन इतने बड़े लेवल पर spread हुआ है। आदरणीय मंत्री जी यहां हैं, इन्होंने आज एक सवाल के जवाब में यह बोला है कि 30 जून, 2009 तक 109 पेसेंट डिटेक्ट हुए थे, जिनके अंदर इन्फेक्शन positive पाई गई थी, लेकिन आज के जो हालात हैं, उसमें यह आंकड़ा बढ़ रहा है। अब यह संख्या करीब छः सौ तक पहुंच चुकी है और इनमें से एक लड़की की मृत्यु भी हो चुकी है, जो कि बहुत ही दुखदायक है और बहुत ही चिंता का विषय है। मैं आपके माध्यम से आदरणीय मंत्री जी से कहना चाहता हूँ कि अभी इन्होंने बोला कि हम सात हजार पेसेंट को एयरपोर्ट पर डिटेक्ट किए हैं और उनका ट्रीटमेंट किए हैं, तो मैं यह कहना चाहता हूँ कि 30 जून को यह जो 109 पेसेंट थे और अब यह आंकड़ा छः सौ तक हो गया है। इसमें छः गुणा वृद्धि हुई है, तो यह चिंता का विषय है कि हम कह रहे हैं कि हमारे प्रबंध ठीक हैं, हमारे पास जरूरत के मुताबिक laboratories हैं, लेकिन जो पुणे में, मुंबई में और पूरे देश में हुआ है, वह चिंता का विषय है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को यह कहना चाहूंगा कि ग्रास रुट लेवल तक इसका diagnose का प्रबंध होना चाहिए और दूसरा, जो specially NRI एरिया है, उसको खास तौर पर टारगेट करना चाहिए।

और तीसरा, जो प्राइवेट हॉस्पिटल्स हैं, उनके साथ भी कुछ tie-up करना चाहिए ताकि जो इतनी बड़ी गिनती में patients आ रहे हैं, उनका इलाज वहां हो सके। साथ ही medicines, जो सिर्फ सरकारी हॉस्पिटल्स में कुछ हद तक available हैं, उनका प्रबंध अगर प्राइवेट लैवल पर भी हो सके, तो उसको भी सरकार कराने की कोशिश करे।

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति जी, आपको बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। यह बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न है और प्रश्न-काल में माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी ने इससे जुड़े हुए मसलों पर बहुत ही विस्तृत बात की थी। मैं सिर्फ इतना कहना चाहूंगा कि अगर disease को test करने के लिए नेटवर्क हो तो लोगों के मन में दहशत नहीं होगी। पुणे में जिस तरह से एक बच्ची की मृत्यु के बाद अगले दिन लोग test कराने के लिए पहुंचे, जिस तरह की तसवीरें टेलीविज़न चैनलों पर दिखाई गईं, वह लोगों के मन में दहशत पैदा करने वाली थीं। संयोग से माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं, मेरा उनसे एक ही अनुरोध है कि बड़े पैमाने पर देश में इस रोग को test करने की facility लोगों को मिले, क्योंकि वह प्राइवेट अस्पतालों में नहीं है, वह केवल सरकारी अस्पतालों में है। महोदय, प्रसन्नता की बात यह है कि कल मैं टी.वी. पर देख रहा था कि पहले यह दिल्ली में एक ही जगह था, पर अब आपने उसे बहुत जगहों पर कर दिया है। पता लगा कि यहां भी test हो रहा है, यहां भी हो रहा है, यहां भी हो रहा है। तो यह और जगहों पर भी होना चाहिए और future के लिए भी, क्योंकि तमाम ऐसी communicable diseases हैं, जो आती रहेंगी, लेकिन इस तरह की laboratories होनी चाहिए जो इसके लिए vaccine भी तैयार कर सकें, क्योंकि तमाम ऐसे रोग हैं जो animals के through आते हैं, चाहे वह Avian Flu रहा हो, चाहे SARS रहा हो, Swine Flu भी उनमें से एक है। जब वह आदमी से आदमी में communicate होने लगता है, तो एक गंभीर स्थिति हो जाती है और आपने ठीक कहा था कि इतने बड़े पैमाने पर वह जब geometrically multiply करता है, तो यह फिर कहना, किसी पर दोषारोपण करना कि फलां राज्य सरकार ने काम नहीं किया या केंद्र सरकार काम नहीं कर पा रही है, तो positive thinking की जरूरत यह है कि हम किस तरह से लोगों को उपचार दे सकें, test की व्यवस्था कर सकें और लोगों को दवा दे सकें।

SHRI BHARATKUMAR RAUT (Maharashtra): Sir, a lot has been spoken about the swine flu in Pune and other surrounding areas. I would not like to the 'flu' part of it. My worry is about the panic that has been spread in Pune and surrounding areas. Yes, there is an outburst of epidemic, but, at the same time, there is another outburst of panic and, more than that, rumours. The rumours are so much that everybody in Pune and surrounding areas are scared and afraid about themselves and, more than that, about their children. I appreciate the efforts and the explanation of the Minister. But, apart from controlling the actual epidemic, it is also the responsibility of the Government to control the panic situation and the rumours mills because these have long-standing effect. If you remember, Sir, twelve years ago, there was an epidemic of plague in Surat. More than the disease, it was the rumour that had created a lot of panic all over the country. So, it is the responsibility of both, the State Government as well as the Central Government, to ensure that panic is not created because panic can also pose similar problem like the epidemic. So, I would like to suggest, as the hon. Member has said, use private television, use Government television, radio, public hoarding, railway station announcements to tell the people that they should not get scared and there are enough medicines; there are sufficient number of doctors, and there is a cure to this. If you are able to create that kind of trust and confidence in the minds of people, they will not be worried. Yes, epidemic is there. God forbid, it has happened. But we have to be ready to fight against it. And, if all people, with conscience, come together only then it can happen. My suggestion is that the Government should take the help of the other Ministries also — the hon. Minister of Information and Broadcasting is sitting here, take her help — and create an atmosphere of confidence among the people. Thank you very much.

Reported construction of Atomic Reactor in Myanmar

श्री बृजभूषण तिवारी (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदय, इधर समाचार पत्रों में, विशेषकर आस्ट्रेलियाई समाचार पत्रों में यह प्रकाशित हुआ है कि उत्तर कोरिया के सहयोग से म्यांमार में atomic reactor का निर्माण किया जा रहा है। वहां पर तानाशाही सरकार है। पिछले बीस वर्षों से वहां की लोकतांत्रिक कार्य पद्धति को खत्म कर दिया गया है और वहां की नेता Aung San Suu Kyi को जेल में डाल दिया गया है। पाकिस्तान के जो बदनामशुदा परमाणु वैज्ञानिक हैं, उनके सहयोग से इस atomic reactor का निर्माण किया जा रहा है। उससे दक्षिण एशिया ही नहीं, भारत को भी खतरा है और पूरे एरिया में शांति को खतरा है। इसलिए मैं चाहता हूं कि सरकार इस गंभीर घटनाक्रम पर ध्यान दे और इसके संदर्भ में उचित कार्यवाही करे। धन्यवाद।

Strike by the employees of the Nationalised Banks in the country

श्री आर.सी. सिंह (पश्चिमी बंगाल) : महोदय, मैं आपके माध्यम से एक बहुत ही महत्वपूर्ण सवाल सदन के समक्ष रखना चाहता हूं। हमारे भारतीय बैंकों में कल से हड़ताल चल रही है। सारे कर्मचारी और अफसर, United Forum of Bank Union, हड़ताल पर हैं। वे कल भी हड़ताल पर थे और आज भी हड़ताल पर हैं। वे अपने वेतन समझौते की मांग कर रहे हैं कि हमारे वेतन में improvement हो। इसके अलावा वे अपनी pension में improvement की भी मांग कर रहे हैं। महोदय, IBA ने आश्वासन दिया था कि उनके वेतन में 17.9 परसेंट की बढ़ोत्तरी की जाएगी, लेकिन वे इससे पीछे हट रहे हैं, जबकि दूसरे पब्लिक सेक्टर्स में 24 परसेंट से